ISSN : 2583-2948

हम सीख लेते हैं अपने अतीत से

डॉ. शिवम तिवारी

विशाखापट्टनम

जब हमारा वर्तमान

लड़खडाता है,

तब भविष्य झिलमिलाता है!

बेबस, लाचार होकर

हम सीख लेते हैं

अपने अतीत से!

संभव है एटम बम के

विस्फोट से

दुनिया समाप्त हो जाए!

कवि के जीवित रहने तक

दुनिया जाग उठेगी पुन:

कविता के आलोक से!

कविता,

संस्कृति औ' इतिहास है;

कालखंड की अनुभास है!

कवि और कविता के रहने तक

भारत आगे बढ़ता रहेगा

पूरे विश्वास से!

कवि अपनी मिट्टी में

बीज बोता है;

ISSN : 2583-2948

संस्कृति, सभ्यता का भगीरथ होता है;

वह लेता नहीं, सतत देता है!

मजबूत बुनियाद रखता है

पूरे विश्वास से!

देश और संस्कृति जब- जब लड़ खड़ाई हैं

दोनों को कविता ने बचाया है!

वेद हमारे प्रथम काव्य हैं!

इसलिए हम सीख लेते हैं

अपने अतीत से!